## **Series SOS**

Code No. **22** कोड नं.

	-	 			
Roll No.	1				
10011 110.	1	1		l	1
<u> </u>	1			I	i
रील न	L	<u> </u>		ŀ	ı
****			 -		

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book. परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- Please check that this question paper contains 15 printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 16 questions.
- Please write down the Serial Number of the question before attempting it.
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer script during this period.
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 15 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्र
  में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे
  और इस अविध के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

# संस्कृतम् (केन्द्रिकम्) SANSKRIT (Core)

समय : होरात्रयम्

पूर्णाङ्काः 100

Time allowed: 3 hours

Maximum Marks: 100

### निर्देशाः :

सङ्केताभावे सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतेनैव लेखनीयानि । जहाँ स्पष्ट संकेत नहीं हैं, वहाँ उत्तर संस्कृत में ही दीजिए ।

Answer the questions in Sanskrit only unless stated otherwise.

उत्तराणि पृथक् दत्तायाम् उत्तरपुस्तिकायाम् एव लेखनीयानि ।

सभी उत्तर अलग दी गई उत्तर-पुस्तिका में लिखें।

Answers should be written only in the separate answer-book provided.

अस्मिन् प्रश्नपत्रे चत्वारः खण्डाः सन्ति ।

इस प्रश्न-पत्र में चार खण्ड हैं।

There are four sections in this question paper.

खण्डः क अपठितांश - अवबोधनम् (अपठितांश - अवबोधन)

SECTION A (Unseen Reading Comprehension)

खण्डः ख संस्कृतेन रचनात्मककार्यम् (संस्कृत रचनात्मक कार्य) 15 अङ्काः

SECTION B (Sanskrit Writing Skills)

खण्डः ग अनुप्रयुक्तव्याकरणम् (अनुप्रयुक्त व्याकरण) 30 अङ्काः

SECTION C (Applied Grammar)

खण्डः घ भाग I — पठितांश - अवबोधनम् (पठितांश - अवबोधन) 35 अङ्काः

SECTION D PART I — Reading Comprehension

भाग II — सामान्यः संस्कृतसाहित्यपरिचयः (सामान्य संस्कृत साहित्य-परिचय) 10 अङ्काः

10 अङ्काः

PART II — General Introduction to Sanskrit Literature

(ii)

(I)

 $(\Lambda I)$ 

(iii)

(ii)

(i)

(<u>a</u>)

 $(\Re)$ 

:IF&K

उष्ट्य मरुभूमी दीनदशा किमर्थ जाता ?

Answer in a complete sentence.

९ मृषद्र की जिंग जूर

९ फ्रिमिस :असीगम स्कृ गिमाळ

मध्भूमी कस्य दीनद्शा अभवत् ?

ें यरिसं चिन्तयित तस्य एव देवाः सहायतां कुर्वन्ति ।

पूर्ण वाक्य मे उत्तर दीजिए ।

Answer in one word. एक शब्द मे उत्तर दीजिए ।

एकपदेन उत्तरत ।

पूर्णवाक्येन उत्तरत ।

र त्रीप्रक राभिषा कि तीर प्रेम्प्ड शापाल सम्बन्ध

र जिंकि विमार्ग स्पर के तिथन महायतां कुर्वन्ति ?

 $I \times S = S$ 

 $z = \sqrt{\frac{2}{T}}$ 

प्राणान् त्यजीत ।' तदेव व्यापारिणा दूरे गर्ते जलं दृष्टम् । व्यापारी जलम् आनयति, प्रथमम् निःसता — 'भगवन् ! एतस्य दीनस्य सत्त्वस्य रक्षां कुरु । अस्य कः दोषः ? मत्कृते एषः परिणामः न जातः । अन्ते उष्टः अपि विकलः भूत्वा भूमी पतितः । व्यापारिणः मुखात् प्राथना सः देव ग्राधितवान् — 'भगवन् ! मह्यम् आहारः दीयताम्, जल दीयताम्, परन्तु कोर्राप

उष्ट्राय ददाति, ततः स्वयं पिबति । समीपे खर्नूरफलानि अपि आसन् । तदेव देववाणी अभवत्

आहारः समात्यः नायः । नवमित समात्यम् । उष्ट्रस्य अपि दीनदशा अभवत् । व्याकृतः भूत्वा

मागेश्रष्टः अभवत् । सः इतस्ततः अभ्रमत् परन्तु मागं न अलभत । दश दिनानि व्यतीतानि ।

एकः व्यापारी व्यापाराथम् उष्ट्रेण गच्छात स्म । यदा स मरुभूमि प्राप्तः, तदा सः

Read the following passage and answer the given questions in Sanskrit:

: प्रशिलि में तक्रम अहर के निष्ट्र प्रद्रा प्रकृप कि एडांशा तछीलीस्मी

ः त्रधाले मिक्से गीराहर मानानष्रप्राप्त मान्या मान्याला मान्याला ।

Unseen Reading Comprehension

अपिठताश - अवबोधन अपिठताथा – अवबोधनम् खादः क (SECLION V)

0I

Unseen Reading Comprehension

ः त्रधारी मिक्नेम ग्गाप्ता मानामप्रमानम् माधार्म मिक्नीन् । ٠٢

Read the following passage and answer the given questions in Sanskrit: : प्रछीलि में त्रुप्ते अतर के निष्ठा प्रत्र अवकृप कि एष्टांशा तछीलिन्मिन

े। जिन्मे किना महावार प्रव दवाः सहायतां कुनित । उष्ट्राय ददाति, ततः स्वयं पिबति । समीपे खर्नूरफलानि अपि आसन् । तदेव देववाणी अभवत् प्राणान् त्यजति ।' तदेव व्यापारिणा दूरे गर्ते जलं दृष्टम् । व्यापारी जलम् आनवति, प्रथमम् निःसृता — 'भगवन् ! एतस्य दीनस्य सत्त्वस्य रक्षां कुरु । अस्य कः दोषः ? मत्कृते एषः परिणामः न जातः । अन्ते उष्टः अपि विकलः भूत्वा भूमी पतितः । व्यापारिणः मुखात् प्राथेना सः देवं ग्राथतवान् — 'भगवन् ! मह्थम् आहारः दीयताम्, जलं दीयताम्, परन्तु कोर्रापं आहारः समात्यः वापः । व्यथमात् समात्यम् । उर्हस्त आतं दीनद्शा अमवत् । व्यक्तियः भूत्वा मिनिहाः अभवत् । सः इतस्ततः अभ्रमत् परन्तु मामे न अलभत । दश दिनानि व्यतीतान । एकः व्यापारी व्यापाराश्रम् उष्ट्रेण गच्छति स्म । यदा स महभूमि प्राप्तः, तदा सः

<u>:1⊦¢K</u>

गधाशः

एकपदेन उत्तरत ।  $(\mathfrak{E})$ 

। प्रजिटि उत्तर दीजिए ।

Answer in one word.

र जिंधिक तिमारा स्रम क , जीयन च ते हो प्रम : प्र (i)

- मर्भूमी कस्य दीनदशा अभवत् ? (ii)
- ९ मृष्डु की जिए भ्रेट (iii)
- व्यापारी कुत्र मागेश्रष्टः अभवत् ?
- पूर्णविक्येन उत्तरत । <u>(₫</u>)

पूर्ण वाक्य में उत्तर दोजिए ।

Answer in a complete sentence.

- र तिरिक निधार कि तीर उंघर है गिमाक नामुन्छ (i)
- उष्ट्रस मरुभूमी दीनदशा किमर्थं जाता ? (ii)

.0.T.9

 $I \times S = S$ 

 $\mathcal{Z} = \mathcal{F} \times \frac{\mathcal{I}}{\mathcal{I}}$ 

ं मृत्रमूर मिक इंगमानिम तीइ 'फ़्रम्ह' हाजड़ 'क्राइ क्रम्ह' (vi) (iii) 'प्रासम्भे' इति पदस्य कि विलोमपदम् अत्र प्रयुक्तम् ? र मुष्यहिन की स्प्रहम तीइ 'स्प्रेनिड' , (ii) 'अलभत' इति क्रियापदस्य कि कर्तपदम् ? Answer as directed.  $t = t \times I$ । प्रहींड उत्तर दीजिए । (组) गथानिदेशम् उत्तरत ।

भिस्कृत रचनात्मक कार्य संस्कृतेन रचनात्मककार्यम् खादः ख (SECLION B)

Write a suitable title for this passage in Sanskrit.

। प्रधीली में तत्क्रिंस क्षेपीष्ट कपृपट प्राती के उद्ध्वनुस्ट प्रद्र । तिष्ठित मिल्कुरेंम क्षेत्रीर संपुर्गर पिख । अञ्चन्स स्प्रस

Sanskrit Writing Skills

ि किलं परं मञ्जूषापदसहायतथा पूरियत्वा पुनः लिखत गाना । तत्र संस्कृतेन दश कथाः लिखिताः । तस्याः मीतीलीपं कारियत्वा स्विमन्नसमीपं प्रेषयता भवता (नि.वि.) कि.वीमूक्त संस्कृत स्वता मंस्कृत हि.वीमायां प्रथमपुरस्कारक्रमं एक । स्वतिष्र मार्कम् । स्व

। प्रधीली ःम्मृ कि इम केरक छमू मि महायत कि हम हम हम महत्वा प्राप्त कि हम स्थान हम स्थान हम स्थान हम स्थान हम हम स्थान हम हम स्थान फि हो। हे एक पिलीतीर किभर । ई म्लिइस क अधि के प्रक्रिस के मिरिक्ष में मिरिक्स । हे कि निगर (.वि.सि.) किर्रोमुरुनाम कप्र में एन के प्रावनपूर्य मधर में किपिकितीर-ठाएकिए ठाक्रमं नियार । है कितर प्रार

letter written to your friend with the help of the words given in the Sanskrit stories. Enclosing a copy of the same, complete the following Shloka-Recitation Competition and received a C.D. containing ten noX Prateek. Sanskrit иi prize trist uomрауе

 $g=01\times\frac{Z}{I}$ : woled xod

FFP

.2

(<del>2</del>)

(i) संस्कृतकन्द्रीयविधालयः ।

,:!!!વ!ધા

91

8

<u> </u>	1		_ (vi)	ने(स्कारः	ग़मधस	फ्रिम	<u>iष्टात्रागी</u>	यभिष	पश्लोकपाठः	क्रिमंग्र-घा	મન્તવિશાભયી
ट्रेष्ट	त्रीष्ट्रहोम	<u>:ĸ₩</u> ĸ	- अधीव		(i	ii) >	भवार्च इं	1	अमिवादनम्	<u> मिन्नेस</u>	<u> </u>
				•			i —			(	(ii) हमी <b>ष्ट</b> र्

	., >
	मञ्जूषा
	नेन धनेन साधुभ्यः (x) <u>व्यवस्थाम्</u> अकारयत् ।
	क िडिड । ज्निम म (xi) र्ह ज्लिख हे ,ज्लिख में स्व
	! मिना, — म प्रवेद क्रमास मिमा आवा प्रहा मिना स्था (iiiv)
। तीइ तीष्ण्वीर	2 3
राजा ।	
	r) हाउ निष्ठ केविस हैंस है। निव्यक्ष आर्ताह क्रम किस्ट (vi)
	(iii) F छोउ मुम्मीत :ध्राप्त मिर्टाक क्रुग्र प्रिकार मुम्लभर हुए
	मन्द्रम (ii) मिन्द्रम सिविष्ट । सेवकः सिविष्ट (ii) मिन्द्र
्रमण् , ख्वार —	एकदा एकः राजा धनपूर्ण (i) सेवकाय दत्वा अवदत्
$\times \frac{1}{2}$ of the	की पुनः लिखिए : Complete the blanks of the following short story with the words given in the box below and rewrite the same :
ी पूर्ति करके कथा $\frac{1}{2}$ ×	मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की सहायता से निम्नलिखित लघुकथा में रिकस्थानों के Complete the blanks of the following short story with the words given in the box below and rewrite the same :
ा पुनः लिखत : एक क्रक त्रीपू ति क्ष help of the रू <u>।</u>	मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की सहायता से निम्नलिखित लघुकथा में रिकस्थानों के जि पुनः लिखिए : Complete the blanks of the following short story with the words given in the box below and rewrite the same :
ा पुनः लिखत : एक क्रक त्रीपू ति क्ष help of the रू <u>।</u>	यस्याम् । मञ्जूषाप्रदत्तशब्दानां सहायतया अधीलिखितायां लघुकथायां रिकस्थानानि पूरियत्वा कः मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की सहायता से निम्निलिखत लघुकथा में रिकस्थानों कं को पुनः लिखिए : Complete the blanks of the following short story with the words given in the box below and rewrite the same :
भापतः, $\eta$ प्तः , जिखतः $\eta$ प्तः क्रिक क्रिया $\eta$ प्ति करके कथा $\eta$ प्ति करके कथा $\eta$	एको, ज्ञात्वा, लिखित्वा, तस्याः, प्रणामाञ्जालः, प्रतीकः, सीर्य, जयपुरतः, यस्याम् । मञ्जूषाप्रदत्तशब्दानां सहायतया अधीलिखतायां लघुकथायां रिक्तस्थानानि पूरियत्वा कः मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की सहायता से निम्निलिखत लघुकथा में रिक्तस्थानों कं को पुनः लिखिए : Complete the blanks of the following short story with the words given in the box below and rewrite the same :
प्राप्तः, यां पुनः लिखत : वे पूर्ति करके कथा वे पूर्ति करके कथा	प्रकां, ज्ञात्वा, तिखित्वा, तस्याः, प्रणामाञ्जाताः, प्रतीकः, सोरम, जयपुरतः, यस्याम् ।  यस्याम् ।  मञ्जूषाप्रदत्तशब्दानां सहायतया अधोलिखतायां लघुकथायां रिक्तस्थानानि पूरियत्वा कथ्म मञ्जूषाप्रदत्तशब्दानां सहायतया अधोलिखतायां लघुकथायां रिक्तस्थानों क मिन्यत्वा में दिए गए शब्दों की सहायता से निन्मलिखत लघुकथा में रिक्तस्थानों क मिन्यतिख्य :  Complete the blanks of the following short story with the words given in the box below and rewrite the same :
)( ) प्राप्तः भाषाः स्विखतः भाषाः स्विखतः भाषाः स्विखतः भाषाः स्विख्याः	प्रकां, ज्ञात्वा, तिखित्वा, तस्याः, प्रणामाञ्जाताः, प्रतीकः, सोरम, जयपुरतः, यस्याम् ।  यस्याम् ।  मञ्जूषाप्रदत्तशब्दानां सहायतया अधोलिखतायां लघुकथायां रिक्तस्थानानि पूरियत्वा कथ्म मञ्जूषाप्रदत्तशब्दानां सहायतया अधोलिखतायां लघुकथायां रिक्तस्थानों क मिन्यत्वा में दिए गए शब्दों की सहायता से निन्मलिखत लघुकथा में रिक्तस्थानों क मिन्यतिख्य :  Complete the blanks of the following short story with the words given in the box below and rewrite the same :

: फिरुकु नागइ मञ्जूषायां लिखितपदानां सहायतया पञ्चसंस्कृतवाक्येषु 'परिश्रमस्य महत्त्वम्' इति विषयम् अधिकृत्य

: प्राचीक नीप । क मञ्जूषा में लिखित पदों की सहायता से **पाँच** संस्कृत वाक्यों में 'परिश्रमस्य महत्त्वम्' इस विषय

महत्त्वम् (importance of hard work) in Sanakrit in five sentences : With the help of the following words given in the box, describe 'परिश्रमस्य

#### मञ्जूषा

। प्रीपट ,जािश्लीारः स्प्रकंपाय स्वावलम्बी, कितसमये, कदापि, दुःखी, जलम् अपि अमृतम्, परिश्रमेण प्राप्तम्, अलसाः, परिश्रमेण, क्षुधा, पूर्णा, भोजनम् मधुरम्, उद्योगिनं, विद्यायां सर्फिल्यम्, परिश्रमी जनः,

### खादः ग (SECLION C)

अनेप्रतिक्षाकरणाम्

गण्नमाञ्च त्रमृप्तमृह

Applied Grammar

: ७५५ रेख्नध्नीम iनार्रगाङ्गीछर् कृष्मानाख्यीलीक्षिर

: प्राचीक इंक्वन-ध्नीम क रिय प्रक्षींछर् में क्रिका त्राधिनमिन

Disjoin Sandhis in the underlined words of the following sentences:

एष एव अझीकरीति उत्तरं दक्षिणं चायनम् । (i)

- । मीळ्मीर्गक्ष नेर्णाप प्रवात स्प्रधिक मिर्मिक द्वीत ,ंच्छम
- (ii)
- मीरयम् व्यायामकालो न उत्सवकालः । (iii)
- अशक्तेबेलिनः श्रात्रोः कतेव्यं प्रपलायनम् । (vi)
- । नृथ्यकी स र्जाणुष्य स हातज्ञी  $(\Lambda)$
- त्रीभश्चेदगुणेन किम् ? (iv)

77

9



6.	अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितसमस्तपदानां विग्रहा लेख्याः :							
	निम्नलिनि	खित वाक्यों में रेखांकित समस्त पदों के विग्रह लिखिए :						
	Expou	and the underlined words of the following sentences:	<i>1</i> × <i>6</i> = <i>6</i>					
	(i)	आः अनार्ये ! एवं ते आशा छिद्यताम् ।						
	(ii)	चारुदत्तस्य गेहे अहोरात्रम् आकण्ठमात्रम् अशित्वा दिवसान् अनयम् ।						
	(iii)	एष तत्र भवान् चारुदत्तः गृहदैवतानि अर्चयन् इत एव आगच्छति ।	<i>S</i>					
	(iv)	सखे ! दानं श्रेयस्करम् ।						
	(v)	एतत् तु मां दहति नष्टधनश्रियो मे यत् सौहदानि सुजने शिथिलीभवन्ति ।						
•	(vi)	नानाविधाः चिन्ताङ्क्षराः प्रादुर्भवन्ति ।						
7.	निम्नलि स्थानों	खितेषु वाक्येषु कोष्ठकान्तर्गत-प्रकृतिप्रत्ययान् योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत : खित वाक्यों में कोष्ठक के अन्तर्गत प्रकृति के साथ निर्दिष्ट प्रत्यय को जोड़क की पूर्ति कीजिए : n the blanks in the following sentences by adding suffixes t						
		and words given in the brackets:	1×8=8					
	(i)	अस्माकं मध्ये प्रतिभाशालिनः छात्राः । (सम् + उप + स्था + क्त)						
	(ii)	सुश्रुतविरचिता सुश्रुतसंहिता अवश्यमेव। (पट् + अनीयर्)						
	(iii)	नक्षत्रादयः नरस्य कृते पश्चिमं प्रति प्रतीयन्ते । (धाव् + शतृ)						
	(iv)	अहमदनगरे स्तम्भाः स्थिताः । (कम्प् + शानच्)						
	(v)	सुखं हि दुःखानि (अनु + भू + क्त्वा > ल्यप्) शोभते ।						
	(vi)	(पिशुन + तल्) यद्यस्ति, किं पातकैः ?						
	(vii)	व्रजन्ति ते मूढिधियः पराभवं, भवन्ति मायाविषु ये न। (माया + र्र	वेनि)					
•	(viii)	एषा (भग + मतुप्) बुद्धस्य विशालकाया मूर्तिः ।						

	8	22
	। तीष्प्राप्ठ कंषीतिग्रीए (हाछ) ःथि।हाप्र कं।स्प्रस्ट (v)	
	। तीरुती क्षेत्र ाम्बी (तीकुबी) सम्पन्स प्र (vi)	
	l :#F 作F (静) (iii)	
. *	। तीमक्ष वैक्तीर प्रंक 3.45.25 किथीपु क्रिमुभीक्षु तीर (धृष्ट्र)(ii)	
	(i) तत् अल भवतः । (सन्ताप)	
s words	पूति कीर्जिए : Fill in the blanks using appropriate case-endings (विभक्ति) with the given in the brackets in the following sentences :	٠
कि मिष्टि	ः तर्भा निमाध्यतम् स्वाप्ति स	<b>.</b> 6

# इरिंद्रं, कञ्चित, सदानकलेष, सम्पन्नम, तत्रभवतः ।

#### मञ्जेंदा

। मीख्नार व्यावासमेव गच्छाम । अहर्म  $(\Lambda)$ 

। मीछ्डड़ मृतृधीरूमनी नेष्ट्र अहर्म (vi)

्र अशनम् अशितव्यं भविष्यति इति । (iii)

कुत्र नुखलु \_\_\_ वमं अभिय । (ii)

। निनेकु एता सर्वसम्पदः सदा रितम् कुर्वते । (i)

in the following sentences:

 $g=g\times I$ 

Add the appropriate adjectives from the box, with their qualifying nouns : प्रज्ञीह कि फिर एकिवि में विश्वेष्य के साथ मञ्जूषा में विश्वेषण पदों के जोहिए :

अधीलिखितेषु वाक्येषु विशेष्येः सह मञ्जूषायाः विशेषणपदानि योजयतः

### अथवा (**OR**)

\_ कपृ्पट राष्ट्र मिमान-'काऊ' 'फ्वीली' थाण्ड(प्रातिकप । (:फ्र / फ्रीप्त) । \_\_\_\_  $(\Lambda)$ 

(फ्रीर \ जीर)। \_ \_ ाश्रक ःतीरूभरूप धिलाञ्जाः ती प्रभिकाञ (vi)

\_\_ मुम्पमर ज़क्केंद्र ज किल्म किलाएं जो जिल्हें । (अकिमार \ ज्ञीकार )। (iii)

मत्स्यचीविनः अत्र समागत्य मत्स्यसंक्षयं । (करिव्यतः / करिव्यति । (ii)

(:१७४५ / फ्निक्ह)।\_\_\_\_ \_\_ ठागष्टाक किन्जाि ध्यम् (i)

seutences:

 $g=g\times I$ Write the suitable verb according to the subject in the following : प्रचिकि तीन्नीर कि रिप्र ाध्या हेप्र कि में रिम्बा प्रधानानान

: मानम्रत :तीन्निस् :(४३माम्स्रोर्क् षृष्ट्वाच पृत्रधानीक्षिर

## I गिमि खादः व (SECLION D)

(I TAAA)

पिठतांश — अवबोधनम्

Reading Comprehension

**म्याया – अववोधन** 

32

मि फिक्रमें उत्तर के निष्ठार किशाधार प्रमान कि एक प्राप्त । प्राप्त कि प्राप् ः कप्रिक् महाशुं, पद्याशुं, नाट्यांशुं च पिठत्वा तदाधारितान् प्रश्नान् संस्कृतेन उत्तरत

questions based on them in Sanskrit: Read the following prose, poetry, drama passages and answer the : प्राजींद्र

गधीशः (空)

(<u>ब</u>)

। क्रिकिपिह प्रितिष्वन्यात्मकाः स्वम्माः अध यावत् द्रिनिः भारतीय केम्माकं भारतीयवैत्रानिकानां गोरवगाथा मुचिन्दरं-देवालये स्थिताः सङ्गीतमयाः स्तम्भाः, <u>स्याम</u>्भः भिम्प्रस्य मान्याः विकृति । मन्याः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्यानः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स 

<u>:1⊦\$K</u>

(I)Answer in one word. एक शब्द में उत्तर दीजिए ।  $(\Re)$ । कपदेन उत्तरत ।

 $I = \mathbb{Z} \times \frac{I}{\mathbb{Z}}$ 

र तिछते वर्षेत एको कि :स्पत्मज्ञील

े अन्यानाः स्तम्याः काम्मिन् नगर् स्थिताः (ii)

। प्रहाड़ि उत्तर दीजिए। पूर्णवाक्येन उत्तरत ।

मुनिन्दरं देवालयस्य स्तम्भाः कोदृशाः मन्ति ? Answer in a complete sentence.

(组) . यथानिदेशम् उत्तरप ।

Answer as directed. । प्रलींट उत्तर दीजिए ।

'विस्मयकराः' इति विशेषणस्य विशेष्यं किम् ? (I)

अस्मिन् अनुच्छेद सम्बोधनपदं किम् ? (ii)

'जानाति' इति क्रियापदस्य कर्तृपद् 'त्राानार (i) (2)

'अशोगानम्' इति पदस्य समानार्थकं पदं किम् ? (ii)

I=I+I

 $I = Z \times \frac{I}{Z}$ 

I

.O.T.9

6

<u>:ছাট্</u>টদ (ছ)

ंक्ताप की क्ष्मिया वास्ता क्ष्मिय क्षि पातके: सक्ष नेत्रपसा च कि शुरू की क्ष्मिस् क्ष्मिय क्ष

#### ÷I⊦ķΚ

- (स) एकपदेन उत्तरत । । प्रजिद्ध में उत्तर दीजिए ।
- Answer in one word.
- (i) सर्वेभ्यः अध्यं धनं किम् े
- र ितिन शीव्रधः वृष्टि ः शिव्यः कृष्ट हुन् हो (ii)
- 1 PLE ECENERIII
- (ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत ।
- पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए । Answer in a complete sentence. कि नाम तपसः अपि अधिकं श्रेयस्करम् ?
- (स) यद्यानिदेशम् उत्तरत ।
- निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । Answer as directed.
- (i) मुक्ते म्प्रिका स्प्राणमध्ये तीइ 'झीष्ट्र'
- ं भुक्तपृर इस् भुरुपालिनों की अपुक्त तीई 'अश्वर' (ii)
- (i) (इ) स्क्रमेना, इपि कुप्रे फ्रिक्से अवस्मित हैं
- (1) (2) Haplace (1) (2)
- (ii) दीवेग, इत्यस्य कि समानार्थकं पदमत्र प्रयुक्तम् ?

# ाष्ट्राष्ट्रज्ञाम् (गि)

- । मीर्टातमार कुछ । दिस्या और । दिस्या खलु आगर्ता मिर्टा । मिर्टा । मिर्टा । मिर्टा । मिर्टा । सिर्टा । सिर्टा
- : शिक्ष्य मिटिक क्रीं काम्प्रिक्त मुक्ते ! शिष्ट ःप्राक्षः मुक्
- । क्रीस् मुवेम मधुलाष्ट्रण क्षेत्रं, चुंदं, चुंदं, नुवेम् अस्ति।
- सूत्रधारः चिरं जीव, एवं शोभनानां भोजनानां दात्री भव । आमे ! किमेतत् सर्वम् अस्माकं गेहेऽस्ति ?

I+I

- । णिगुप्रम्नस्थ द्वीर , द्वीर िंडर
- प्राथारः अर्थारः अनारं । एवं ते आशा छिधताम् । अहं पर्वताद् दूरमारोज
- ासितोऽस्मि । त्रिम् निष्यं भविष्यति । मुहूर्तकं प्रतिगलयतु आर्यः । सर्वं सज्जं भविष्यति । । मीख्जं भाषित्रासः अस्ति । क्राव्यं नं निमन्त्रियपुर्य इच्छामि ।
- 01

(i) यूथम् सबलाः भवतः, अज्ञानस्य निद्रां त्यजतः, वरान् प्राप्तुं प्रथलं कुरुत ।	
मीवार्थः	
(छ) , अधिक आप न्यान् माष्य वरान् ।	
given each of the following lines : $2+2=4$	
Pick out and write the correct one out of the three explanations	
। प्रछानि एक नध्क कावार्थ हे प्र प्रहास मिस आप प्रदा प्राप्त कि एक किए एक	
। तिखता विकास क्षेत्र हुदू भावार्थ किखा ।	12.
(ii) किन्तु न कदाचित् आर्थस्य निष्ययोजना प्रवृत्तिः । इति कः कथयति ?	
(i) , राष्ट्रीयन्या गरीयसी, इति पाठः कत्माद् गन्यात् संगृहीतः ?	
Answer the questions as directed:	
: प्रह्मीई उत्तर र्क र्रिप्ट प्रमिना इन्हें	
: तरिह मार्द्र मार्द्रमाष्ट्र	11.
ii) प्रकृष भिक्ष भित्र सिम्प्र होई ,५, हमा धिंद्र प्राप्ता हिंद्यां अंग्रेस र प्रमुक्तम् र प्र	
ं मृक्तुए हमकी इंगमिलिन एउटा तीइ 'कांस्' (i) (इ)	
(ii) अभिनानाम्' इति पदस्य विशेष्यं किम् ?	
र प्रकी इंग्रिक एप्रयाधका तीइ 'म्मीस्' (i)	
Answer as directed.	
निर्देशानुसार उत्तर दीजिए ।	
(स) ज्ञामिद्रंशम् उमस्य ।	
े हिल्ला के मिन सिमन्त्रिय हेन्छ ।	
Answer in a complete sentence.	
र्गे वसर में उसर दीजिए ।	
। हर्महः म्ह्नाविणू (व्)	
(ii) वस्तुतः सूत्रक्षारः कुराः आधिक भागितः ?	
्रे मिमास हक् नीषात्रमाष्ट्रांस हम (i)	
Answer in one word.	
एक शब्द में उसर दीव्यत ।	
(अ) एकपदेन उमस्य ।	
₹I₽ĠK	

.O.T.9

पुरम् ज्ञानाय प्रथत्नं कुरुत, निद्रां त्यजत, महापुरुषाणां समीपं गत्वा रहस्यं जानीत ।

(iii)

(ii)

\_ (i) मुग्नक्षीप्रह

।। त्रीवृष्टि म ईुए मीटिन्निष्टप्रतिकृ

। तीष्रपन्नी तंत्रवर्द तिश्वीरम्

त्रावित्रमाथी देव मिर्याभागात्रम्

अरक्षितं तिष्ठति दैवरक्षितं,

<u>34.44:</u>

<u> नद्याशः</u>

(iii)

(ii)

(i)

<u>(ब</u>)

भीवार्थः

(Æ)

13.

(vi) ः निमिक् । तीनिक मीर ः तिमिन्न

\_ (ii) मृष्ठक्षिगृमु । त्रीखती \_

। त्रीवृद्धि म शिष्ट \_

् विनश्यति । अनाथः

$\mathcal{P}=8\times\frac{6}{7}$	low. Fill in the blanks and rewrite the same:	pe.
nevig need evad sersev	e prose order-renderings of the following two	ЦL
सिकर पुनः लिखिए :	, कि निष्ण करों में किन्छ प्राप्त प्रज्ञी के किलिए <b>(इ</b> तछीलीन	मि
	्र फेन्म्स् एकक् त्रीपुनाश्यक्षत्र प्रद्याच्या अद्याच्या अन्वयं प्र	
	पशः' श्रीमः अधितः, सत्यस्य ।	
	मञ्जूषा	
	। ह्य :गिम (vi)	
निरेव, अथित् सः मार्गः	(iii) मेग्रम स्प्रकाम :ोगाम :म ,क्तीककृ	
iv)HFF (ii)	अध (म्नेकिक्कि गिम धं (i) : स्थितमानसम्	
	मीवार्यः	
	। मिनाथनी मेग्रम स्परम क्रान हा	
	त्रमाकम्पर्यथये ह्याप्तकामाः,	
<i>₱=₱×[</i>	e box below and rewrite the same :	
ni nəvig sbrow ədt dti	mplete the central idea of the given verse w	Coi
: प्रछीली :म्पृ क्रक रिपृ ६	जिल्हा पर प्रजे में पिल्लम कि थानाथ गए प्रजे के धप कालीनी	<del>न</del> ि
्रे अवय	ंतिष्यितस्य पदास्य प्रदत्तं भावार्थं मञ्जूषाप्रदत्तपदेः पूरिपत्वा पुनः	भ्रध

স্থারা (OR)

। रीगम :भ्रमि हम रीगम मिनिहर्

। 'सत्येन पन्या विततो देवयानः' ।

। त्रीपूरीप ह्य ह्या त्रीम त्रीपार हा

। जिख्लार पिप छ्राष्ट्रभ नीनाष्ट निक्तिष्ट्र

.0.T.9		77
य समूहस्य विनाशकम्	मुन्नाम् ताः (iii)	
मुक्तर्दार स्प्रडण्क्रतमीनी नर्ह ्र	•	
	म्ह्न्फ्रमिक् (i)	
र उनसमेदकम् एतत् अस्तरखण्डम् ।'	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
•	ःग्रडाष्ट्रह (iii)	
	:नगमम् (ii)	
	$\mu$ क्रमि $(i)$	
प्सवः न ग्रारब्सः ५,	त्रा) , स्कथं कोमुदीमहो	
he appropriate meanings of the underlined words $I \times 4 = 4$	according to the refe	
ः तखना मिल्या अर्थं मिल्या : निक्त शब्दा मिल्या सार्थक अर्थं चुनकर लिखए :	मिनिषित वाक्यो में खों।	12.
(द्र) आकाशमण्डलस्य ।	ंग्रुज़ हम्फ़्स (vi)	
(स) उत्तरं दक्षिणं चायनम् ।	ाणीम मानाम वर्ग (iii)	
। मीनमची वृषिाद द्वादशासु भागेषु विभनति ।	फ़िक्षीार हम मुम्म (ii)	
। क्यंसंख्या । क्यंसंख्या ।	त्रीरकित्ह हम एप (i)	
<u>.e.,</u>	<del>, 42</del> ,	
same : $l \times d = d$	नाक्यों की पृतः लिखिए : Match the sentence 'खे and rewrite the	
उक्त मानभी कथिए साथ के सियंश्यों के साथ सार्थक कि निलान कर	बाक्याान पुनः लिखतः निम्नलिखित 'क' स्तम्भ	
भस्य वाक्यांशानां 'ख' स्तम्भस्य वाक्यांशैः सह सार्थकसम्मेलनं कृत्वा	म्पन्न 'क' ांनावितिविद्यान	<b>'</b> †I
। (vi) निमिह्नीमाणुः (iii) ही ःकप्र	किएणेषु अद्धः इव	
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	भस्य अनन्तरत्त्रभ	
	<del>्याचतः</del>	
।। :ह्वाघळी(ण्रकी ः।		
	ण्ए विक्रि ही किप्र <del>६ ६ - 113</del>	
। जातम् ।		
·	<del>рур/кнуур-не</del>	

ाष्ट्रांशः

. (<u>a</u>)

- 'प्रासादस्य उपरि स्थिताः प्रदेशाः संस्क्रियन्ताम् ।' (स) अलङ्क्रियन्ताम् (i) संशोध्यन्ताम् (ii) (iii) निर्मीयन्ताम्
- 'न खलु आर्यचाणक्येन अपहृतः प्रेक्षकाणाम् चक्षुषोः विषयः ?' (द)
  - आलोचकानाम् (i)
  - दर्शकानाम् (ii)
  - अभिनेतृणाम् (iii)

खण्डः घ (SECTION D) भाग II (PART II)

सामान्यः संस्कृतसाहित्यपरिचयः सामान्य संस्कृत साहित्य-परिचय

General Introduction to Sanskrit Literature

*10* 

16. अधोलिखितानां कवीनां देश-काल-कृतीनां यथानिर्देशं नामानि लिखत: निम्नलिखित कवियों के देश, काल एवं कृतियों का निर्देशानुसार नाम लिखिए :

Write about the place, date and works of the following poets as 3+3+4=10 directed:

- अश्वघोषः (i) (अ)
  - (ii) जयदेवः

(iii)

माघः

- भर्तृहरिः (ब) (i)
  - (ii) व्यासः

(iii) बाणः कालः

- (स) (i) भवभूतिः
  - भारविः (ii)
  - (iii) चरकः

एका रचना

(iv) वाल्मीकिः

अथवा (OR)

14

(अ)	निम्नलि	खितवाक्येषु मञ्जूषायाः पदानि चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिः क्रियताम् :	•					
	निम्नलि	खित वाक्यों में मञ्जूषा में दिए गए पदों को चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए	₹:					
	Fill in	n the blanks with the help of the words given in the box	in					
	the fo	ollowing sentences:	$\frac{1}{2}$ ×10=5					
	(i)	पद्यसाहित्यस्य भेदद्वयम् अस्ति महाकाव्यम् च ।						
	(ii)	आख्यायिका च गद्यकाव्यस्य प्रमुखं भेदद्वयम् ।						
	(iii)	पञ्चसन्धिसमन्वितं भवति ।						
	(iv)	प्रकरणं एकः भेदः अस्ति ।						
	(v)	महाभारते पर्वाणि सन्ति ।	·					
	(vi)	गद्यपद्यमयी रचना इति कथ्यते ।						
	(vii)	सर्वप्रथमः त्वक्-प्रत्यारोपकः अस्ति ।						
	(viii)	ईशोपनिषद् चत्वारिंशत्तमः अध्यायः अस्ति ।						
	(ix)	मुद्राराक्षसे अभावः वर्तते ।						
	(x)	बुद्धचरितस्य रचियता अस्ति ।						
		मञ्जूषा						
		चम्पूः, अष्टादश, कथा, खण्डकाव्यम्, रूपकस्य, अश्वघोषः, सुश्रुतः, नाटकम्, यजुर्वेदस्य, विदूषकस्य ।						
	L							
(ब)	गद्यकाञ	यस्य काः अपि <b>पञ्च</b> विशेषताः संस्कृतेन लिखत ।						
	गद्य काव्य की किन्हीं <b>पाँच</b> विशेषताओं को संस्कृत में लिखिए ।							
		e any <b>five</b> characteristics of Sanskrit prose literature.	5					